शोध-सारांश

चुनार शहर की हिंदी में कोड-मिश्रण

चुनार का समाज भी बहुभाषी है । चुनार शहर की हिंदी पर विभिन्न भाषाओं व बोलियों के प्रभाव का अध्ययन किया गया है । इस शोध के अंतर्गत कोड-मिश्रण की प्रवृतियों के विभिन्न कारणों को उजागर किया है ।

प्रस्तुत शोध विषय में चुनार शहर की हिंदी में हो रहे कोड-मिश्रण के प्रभाव को दर्शाया गया है। यहाँ हिंदी में हो रहे कोड-मिश्रण के विभिन्न उदाहरणों को लेते हुए व्याकरणिक तत्त्वों (उच्चारण, शब्द, पदबंध, उपवाक्य, वाक्य) के आधार पर विश्लेषण किया गया है। प्रस्तुत लघु शोध का महत्त्व यह है कि हमें चुनार शहर का सर्वेक्षण कर वहाँ के समाज के बारे में जानने को मिला है । जैसे भोजपुरी का अध्ययन करें तो हमे पता चलता है कि भोजपुरी में 'ड़' के स्थान पर 'ई', 'व' के स्थान पर 'ब' आदि बोलने की प्रवृत्ति है इस कारण चुनार के लोग हिंदी बोलते-बोलते 'ड़' का 'ई' उच्चारण करते है। किसी भी स्थानीय बोली में देशज शब्द की प्रधानता होती है। चुनार शहर की हिंदी में भी देशज शब्दों का मिश्रण हुआ है, जैसे 'कुआँ' हिंदी भाषा का एक मानक शब्द है वहीं भोजपुरी में इसके लिए 'इनारा' का प्रयोग किया जाता है।

कोड-मिश्रण से संबंधित आँकड़ों को एकत्रित करने में सूचकों का चयन किया गया, जिसके अंतर्गत गृहिणी, विद्यार्थी, दुकानदार, चिकित्सक, अध्यापक से आँकड़ों को एकत्रित किया गया। उसके पश्चात उनसे प्राप्त कुछ सामग्री का संक्षेप में विवरण प्रस्तुत किया गया और सूचकों के चयन तथा उनसे एकत्रित आँकड़ों में जो कठिनाईयों हुई उसे बताया गया। कोड-मिश्रण के विभिन्न स्तर – उच्चारण स्तर,

शब्द स्तर, पदबंध स्तर, उपवाक्य स्तर तथा वाक्य स्तर को उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट किया तथा मिश्रण होने के कारण को समझाया गया है। जैसे -

- **उच्चारण स्तर पर -**

यहाँ पर हिंदी में **'ऐ'** स्वर का भोजपुरी में **'अइ'** हो गया है और **'ल'** का **'र'** हो गया है

कैसा 'ऐ' से 'अइ' कइसा

थाली 'ल' का 'र' थारी

- **शब्द स्तर पर -**

उसी प्रकार कई देशज शब्द का प्रयोग हुआ है। जैसे –

सूचक – **'एगो नोनचा पलेट में धर दो ।'**

हिंदी शब्द **'अचार'** के जगह **'नोनचा'** का प्रयोग हुआ है।

शाम को **हस्बैंड ऑफिस** से आते हैं।

उसी प्रकार कई पुनरुक्ति (Repetition) तथा प्रतिध्वानात्मक (Reduplication) आदि शब्दों का प्रयोग हुआ है। जैसे -

हेठवा बइठा, नीचे बैठो

एकस्क्यूज़ मी, माफ़ करना

'अब्भे को **लइका-वइका** नहीं है।'

‘कोई **बुक-वुक** खरीदा क्या ?’

- **पदबंध स्तर पर -**

मेरा बड़का लइका बनारस में रहता है।

बाहर काले नोटिस बोर्ड पर सारी जानकारी दी गई हैं।

उपवाक्य स्तर पर -

अच्छा खेल रहे हो, **गुड गोइंग**

वाह, तुम्हारी बोलिंग बढ़ियां है, **कीप इट अप**

- **वाक्य स्तर पर -**

कुछो बुझातो हो पढ़ रहे हो कितने देर से।

छुच्छे काहे खाना खा रही हो।

बिस्कुटिया चहवा में बोर-बोर के खाते हो।

हम अपने दिनचर्या में **भिनुसहरा उठके पेपर** पढ़ते है।

संकलित सामग्री से प्राप्त मिश्रित शब्दावलीयों से हमें यह पता चला कि चुनार शहर की हिंदी पर स्थानीय बोली (भोजपुरी) का सबसे अधिक प्रभाव है।

Summary

This research is a data-oriented study which deals with role of code-mixing in Hindi of Chunar. As we know that code-mixing is a common characteristic of bilingualism. Chunar is also a bilingual city. Here most of the people are bilingual or multilingual. Chunar city has historical, cultural as well as religious importance. It is a business oriented city. Due to which people from other region come here.

The objective of this topic is to discuss the levels and functions of code-mixing performed by informants of Chunar while speaking Hindi. The spoken data has been collected by the people of Chunar. These informants are shopkeeper, doctors, students, teachers, housewives.

The present study shows the influence of other languages (Bhojpuri, English, Awadhi) while speaking Hindi on the levels of code-mixing.

These levels are -

- **Pronunciation Level –**

कैसा **'ऐ'** से '**अइ**' कइसा

थाली **'ल'** का **'र'** थारी

- **Word level –**

Informant – **‘एगो नोनचा पलेट में धर दो ।’**

Informant – ‘शाम को **हस्बैंड ऑफिस** से आते हैं।’

- **Phrase level –**

Informants - **मेरा बड़का लड़का** बनारस में रहता है।

Informants - **बाहर काले नोटिस बोर्ड** पर सारी जानकारी दी गई हैं।

- **Clause level –**

Informants - अच्छा खेल रहे हो, **गुड गोइंग**

Informants - वाह, तुम्हारी बोलिंग बढ़ियां है, **कीप इट अप**

- **Sentence level -**

Informants - **कुछो बुझातो** हो पढ़ रहे हो कितने देर से।

Informants - **छुच्छे काहे** खाना खा रही हो।